# बच्चों के लिए बाइबिल
## प्रस्तुति

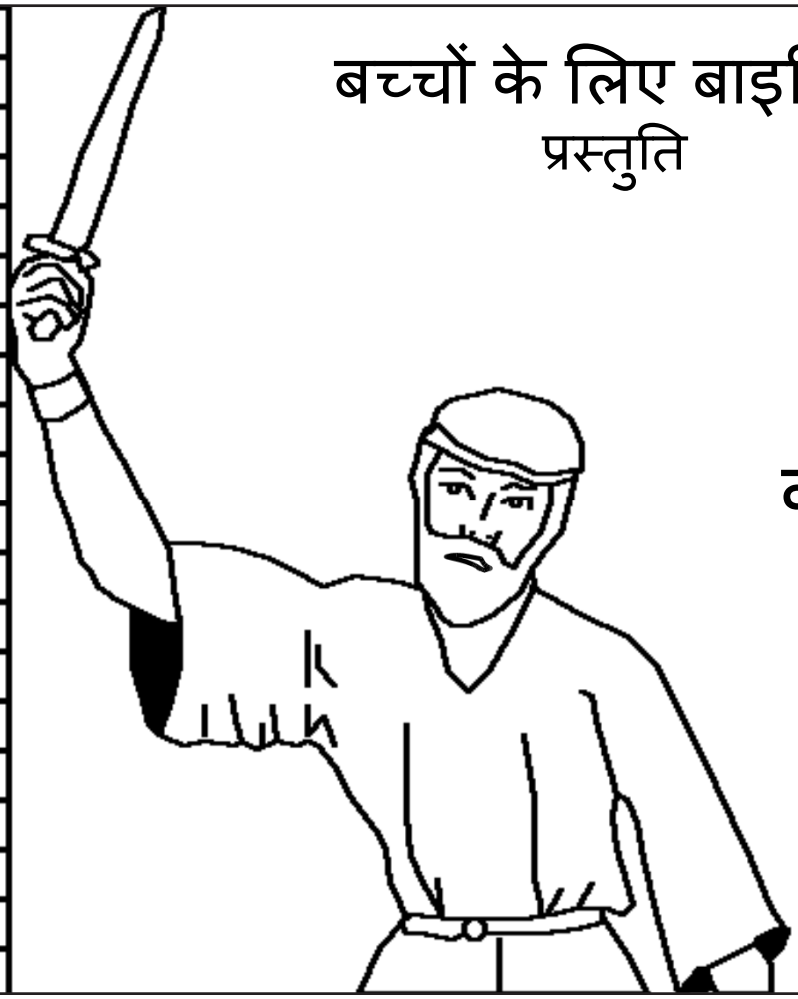

# गिदोन की छोटी सेना


लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Janie Forest
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार : Ruth Klassen



60 कहानियों में से 15 (पहला)

**www.M1914.org**

***Bible for Children,*** *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*



अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।


**हिन्दी** Hindi

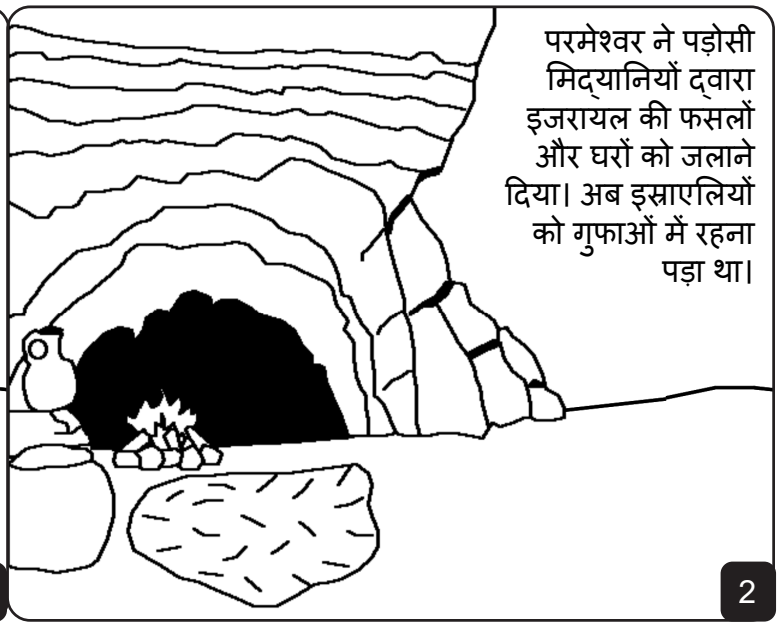

एक इस्राएली, गिदोन के पास, गेहूं की फसल को विकसित करने के लिए एक गुप्त जगह थी। उसने एक बड़े पेड़ के नीचे, छिपकर फसल और अनाजों को साफ किया।

3

मिद्यानियों को इस जगह का पता नहीं था - लेकिन परमेश्वर को मालूम था! परमेश्वर ने अपने दूत भेज कर गिदोन के लिए एक संदेश भेजा।

4

परमेश्वर चाहता था की गिदोन अपने ही पिता की झूठी देवता वाली छवि को नष्ट कर सच्चे परमेश्वर के लिये एक वेदी का निर्माण करे। हालांकि गिदोन डर रहा था की देशवासी उसे मार डालेंगे, पर उसने वही किया जो परमेश्वर ने उसे आज्ञा दिया था।

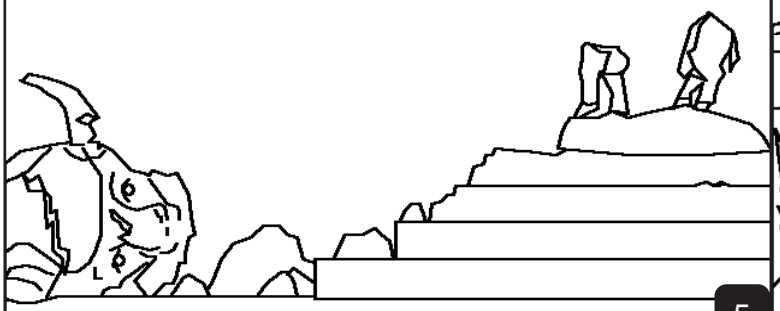

5

परमेश्वर यह भी चाहता था की गिदोन दुष्ट मिद्यानियों के खिलाफ इजरायल की सेना का नेतृत्व करे। लेकिन गिदोन डर रहा था।

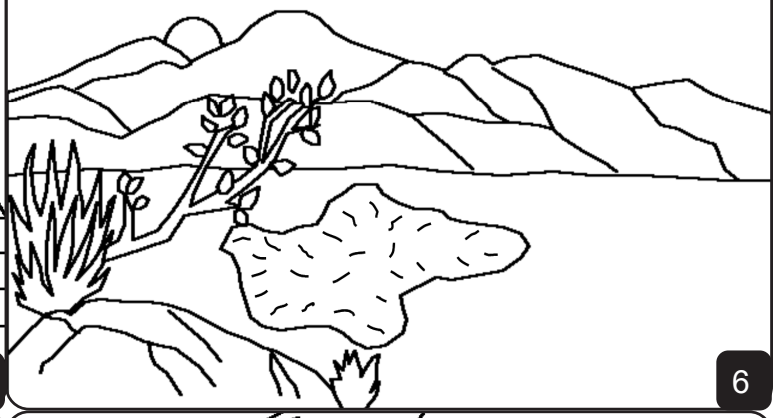

6

उसने परमेश्वर से विशेष चिंन्ह को माँगा जिससे मालूम हो कि परमेश्वर उसके साथ था। फिर वह जमीन पर एक रोवेंदार चर्मपत्र को रखा।

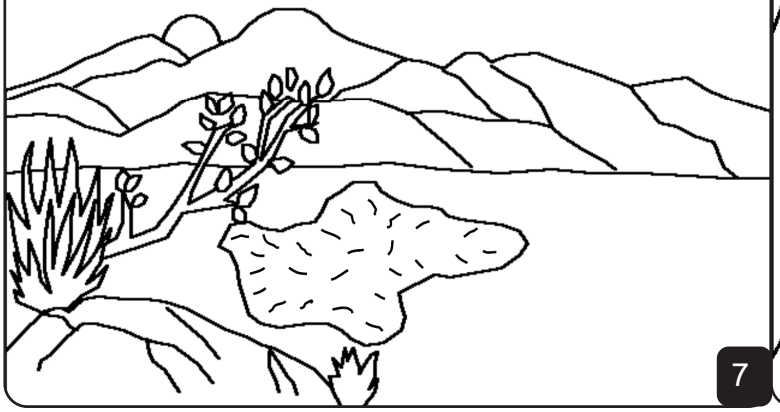

7

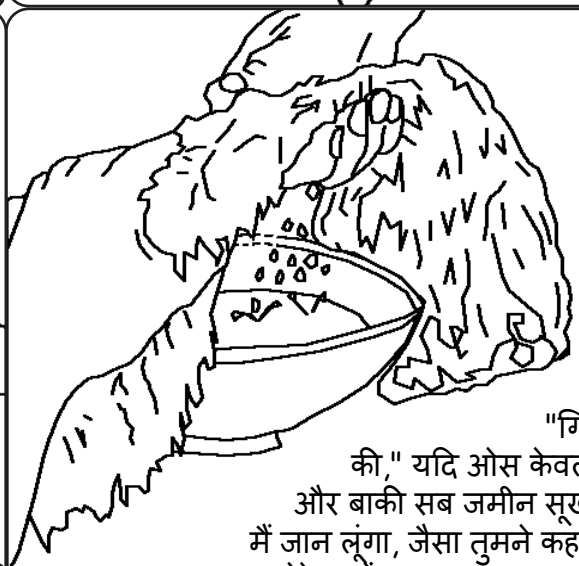

"गिदोन ने प्रार्थना की," यदि ओस केवल ऊन पर गिरे, और बाकी सब जमीन सूखी हो, "तो फिर मैं जान लूंगा, जैसा तुमने कहा है कि तू मेरे हाथों द्वारा इसराइल बचायेगा।"

8

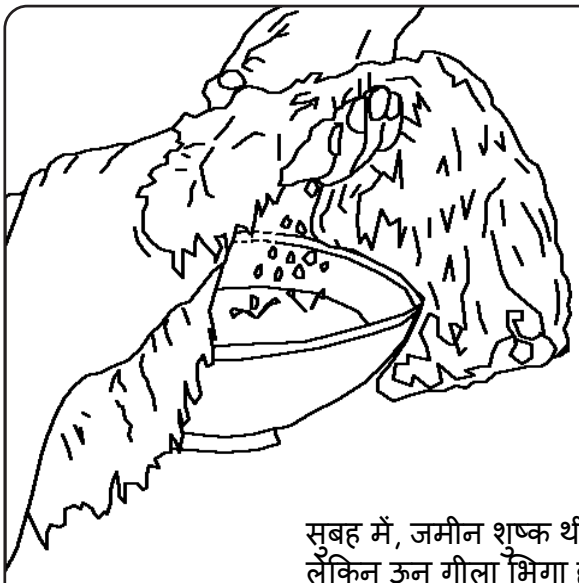

सुबह में, जमीन शुष्क थी,
लेकिन ऊन गीला भिगा हुआ था!

9

गिदोन अभी भी संदेह किया। अब वह चाहता था की परमेश्वर केवल जमीन पर ओस भेजे और उस ऊन पर बिलकुल नहीं। अगली सुबह - जमीन गीली थी लेकिन ऊन एकदम सूखा था!

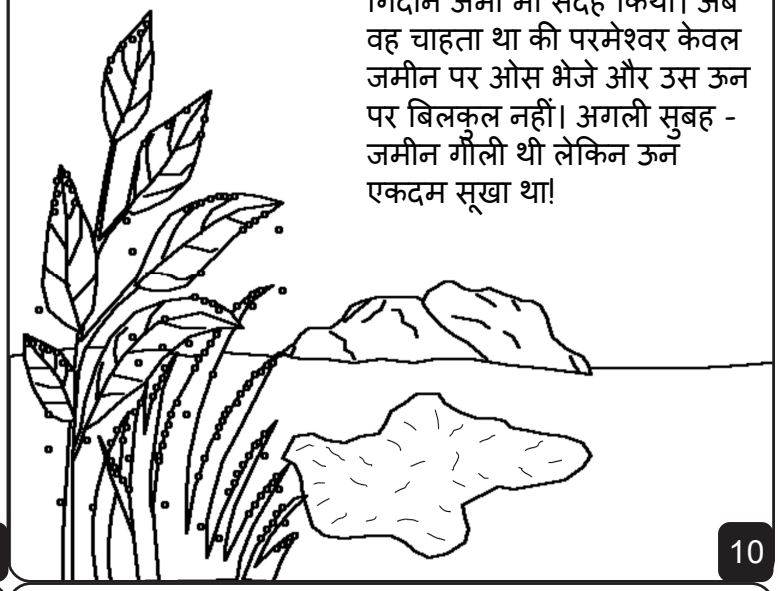

10

गिदोन 32,000 की फौज के साथ बाहर निकला। परमेश्वर ने केवल 300 पुरुषों के लिए अनुमति दी। परमेश्वर नहीं चाहता था इसराइल कहे की "हमने अपने हाँथो के बल जीत हांसिल की है।" केवल यहोवा ही इसराइल का एकमात्र मुक्तिदाता था।

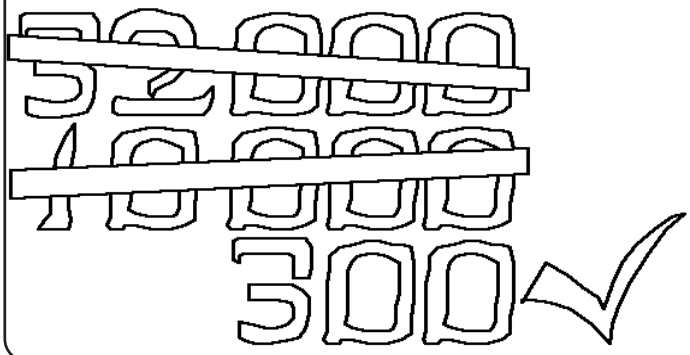


11

यह जानते हुवे की गिदोन अभी भी डरा हुआ है, परमेश्वर ने चुपके से एक मिद्यानी सैनिक को एक अजीब सपने के बारे में दूसरे को बताते सुनने दिया।

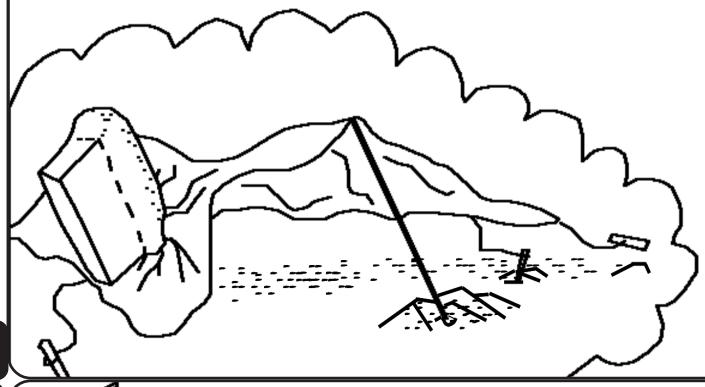

12

सपने में, रोटी का एक पाव एक मिद्यानी तम्बू के खिलाफ आया और उसे नष्ट कर दिया।

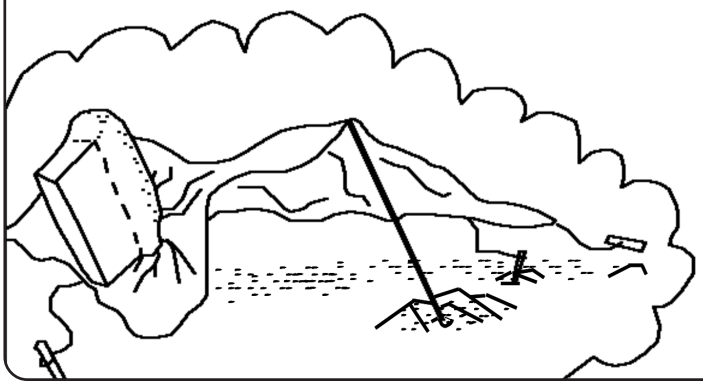

13

दूसरा सिपाही डर गया। "यह तो ... गिदोन की तलवार है..." वह चिल्लाया। गिदोन सपने का अर्थ सुनने के बाद, यह जान लिया अब परमेश्वर उसे बिजयी बनाने जा रहा था।

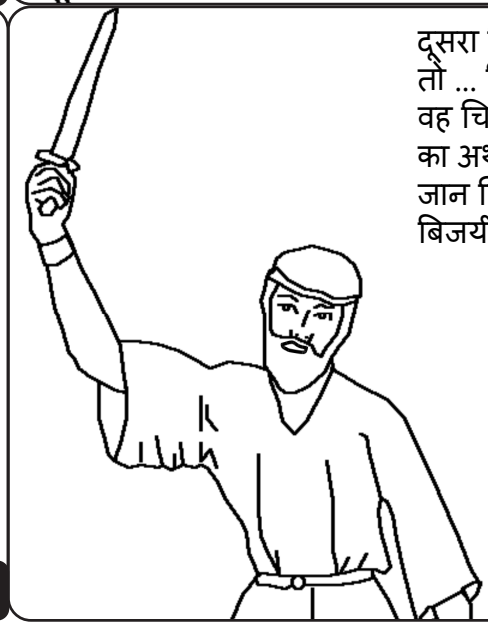

14

गिदोन ने एक रात हमले की योजना बनाई। उसने प्रत्येक सैनिक को एक तुरही दी, और अंदर मशालों के साथ खाली घड़े भी दी। उन्होंने मिद्यानी सेना को घेर लिया।

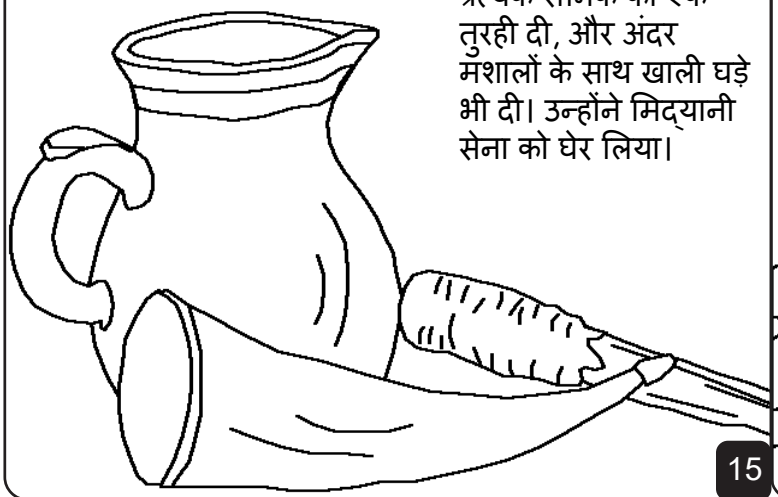

15

गिदोन के संकेत के अनुसार, सैनिकों ने तुरही बजा दी, उनके घड़ो को तोड़कर मशालें जला लीं। यह क्या शोर है! सब भ्रम में डर गये और मिद्यानियों उठकर भाग गये।

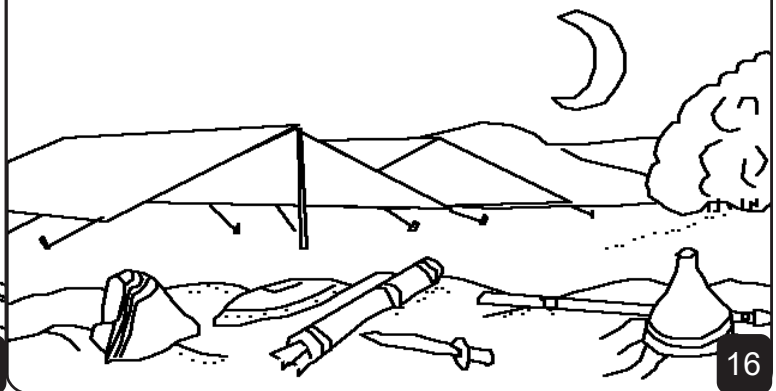

16

इस महान जीत के बाद इस्राएल के पुरुषों ने उन पर शासन करने के लिए गिदोन से कहा।

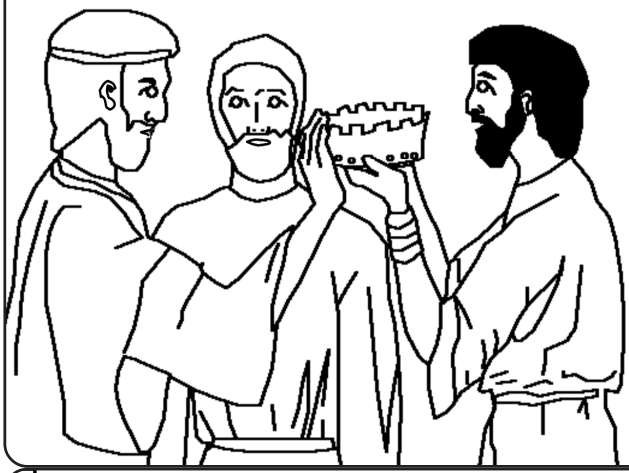

17

गिदोन ने उत्तर दिया, "मैं नहीं पर यहोवा तुम पर शासन करेगा।" वह जानता था कि लोगों के जीवन पर शासन करने का अधिकार सिर्फ परमेश्वर ही का है।

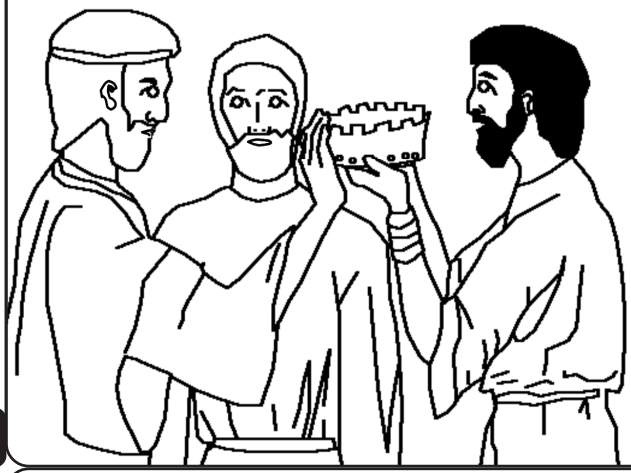

18

गिदोन की छोटी सेना

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

न्यायियों 6-8

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

**ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.**

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

**बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.**